बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-८०० ००१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू॰ एन॰ सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी॰ एल॰ दास)

उपाध्यक्ष
फेराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

Truth Will Triumph

पत्र संख्या 89

पटना
दिनांक 10/12/2001

सेवा में,

मुख्य सचिव,
बिहार, पटना ।

विषय:- बिहार प्रशासनिक सेवा को अवर उप समाहर्त्ता एवं उप समाहर्त्ता में
विभक्त कर अलग सम्वर्ग बनाने के संबंध में ।

महाशय,

उपरोक्त विषय के संदर्भ में हमें जानकारी मिली है कि सरकार तेजी
बिहार प्रशासनिक सेवा को पुनः 1974 से पूर्व की तरह अवर उप समाहर्त्ता एवं उ
समाहर्त्ता का सम्वर्ग बनाने का विचार कर रही है जो प्रशासनिक हित में उचित
नहीं है । इसी आशय की सूचना संघ को पूर्व में भी मिली थी और संघ ने इसका
पुरजोर विरोध करने का निर्णय लिया था । विरोध की जानकारी होते ही सरक
ने लिखित रूप से (प्रति संलग्न) इस निर्णय की सूचना संघ के अध्यक्ष एवं महासचि
को दी थी कि " अवर उप समाहर्त्ता एवं उप समाहर्त्ता सम्वर्ग के पुनः गठन क
सरकार की न तो कोई योजना है और न कोई निर्णय " और इसी सूचना से संघ
आश्वस्त था कि अब ऐसी कोई कार्रवाई सरकार के स्तर से नहीं हो रही है ।

पुनः कार्मिक विभाग में सम्वर्ग विभक्तिकरण की कार्रवाई तेजी से ह
देख हम अत्यंत चिन्तित हैं कि 1974 में जिन स्थितियों पर विचार करते हुए
सरकार ने सम्वर्ग एकीकृत करने का निर्णय लिया था उसमें वर्तमान समय में कौ
सा परिवर्त्तन आया है कि कार्मिक विभाग/ सरकार को सम्वर्ग के पृथकीकरण की
आवश्यकता हो गई है । अभी तक वेतन विसंगति का मामला दूर नहीं किया गय
सभी स्तरों पर प्रोन्नति अवरूद्ध रखी गई है, संघ एवं सरकार के साथ हुए समझौते
का कार्यान्वयन नहीं हो पाया है, भा०प्र०से० में प्रोन्नति को जबरन रोक रखा

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ
प्रशासनिक सेवा भवन
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-८०० ००१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू॰ एन॰ सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी॰ एल॰ दास)

Truth Will Triumph

उपाध्यक्ष
फेराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

पत्र संख्या.......................... पटना

दिनांक..........................

गया है इस पर न तो विभाग की दृष्टि है और न ही सरकार की, लेकिन सम्वर्ग के बँटवारे की अधिक चिन्ता कार्मिक विभाग एवं सरकार को है इससे हम और चिंतित हुए हैं। विभाग एवं सरकार को इस विषय पर गहराई से विचार करना चाहिए।

सरकार के साथ कई दौर की वार्त्ता में सम्वर्ग पृथकीकरण की भी बात उठी थी और इसी संदर्भ में प्रखण्ड एवं अंचल से उप समाहर्त्ता के पदाधिकारियों को हटाने पर सहमति भी बनी थी। सरकार के द्वारा हमसे यह भी प्रस्ताव मांगा गया था कि प्रखण्ड एवं अंचल में विकास एवं राजस्व पदाधिकारी का अलग सम्वर्ग गठित करते हुए पदस्थापित करने के संदर्भ में संघ सरकार को एक प्रस्ताव दे। संघ ने एक ठोस प्रस्ताव तैयार कर सरकार को समर्पित किया था {प्रतिलिपि संलग्न}। कार्मिक विभाग एवं संघ के साथ इस प्रस्ताव पर विचार करते हुए अलग से निर्णय लेने पर भी सहमति बनी थी। यह भी सहमति बनी थी कि संघ के साथ पुनः वार्त्ता कर प्रखण्ड एवं अंचलों में विकास एवं राजस्व के पदाधिकारियों के पदस्थापन पर विचार किया जायेगा। कार्मिक विभाग को अपने इस प्रस्ताव पर भी विचार करना चाहिए।

कार्मिक विभाग/सरकार संभवतः हमसे यह जानना चाहती है कि अवर उप समाहर्त्ता एवं उप समाहर्त्ता के सम्वर्ग फिर से गठित क्यों नहीं किये जायं। हम चाहेंगे कि सरकार इस बिन्दु पर हमसे वार्त्ता करे। तत्काल हम सरकार को इतना ही कहना चाहते हैं कि अवर उप समाहर्त्ता और उप समाहर्त्ता के अलग नहीं रहने के संबंध में संघ के तर्क एवं तथ्य पर आधारित बिन्दुओं को ध्यान में रखकर ही अवर उप समाहर्त्ता एवं उप समाहर्त्ता के पद को एकीकृत किया गया था। सरकार 1974 से पूर्व की स्थिति को वर्त्तमान संदर्भ में कार्मिक विभाग एवं सरकार सिर्फ इसलिए

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन

जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-८०० ००१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

उपाध्यक्ष
फेराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

Truth Will Triumph

पत्र संख्या.........................

पटना

दिनांक.................................

लाना चाहती है कि बिहार प्रशासनिक सेवा को तहस-नहस कर दिया जाय, इसकी योग्यता एवं शक्ति को क्षीण कर दिया जाय और संघ इसे अपने ऊपर वज्र से भी बड़ा प्रहार मानती है ।

अतः उल्लेखित स्थिति में हम सरकार से विनम्र निवेदन करना चाहते है कि सम्वर्ग बँटवारे के विचार को त्याग कर जो सुविधायें और प्रोन्नति हमें देय है उसे अविलम्ब उपलब्ध करायें ताकि हमें आन्दोलन जैसे मार्ग को चुनने की नौबत न आये । अगर हमारे विनम्र निवेदन को कार्मिक विभाग/सरकार ठुकराती है तो यह माना जायेगा कि सरकार ने हमें आन्दोलन के लिए प्रेरित किया है और हमें आन्दोलन के किसी भी स्तर तक जाने से नहीं चूकेंगे । हमारे इस पत्र को अगर गंभीरता से सरकार नहीं लेती है तो इस पत्र को आन्दोलन की पूर्व सूचना समझी जाय ।

विश्वासभाजन,

ह०/-
॥जी०एल० दास॥
महासचिव।

ह०/-
॥डब्लू० एन० सिंह॥
अध्यक्ष।

ज्ञापांक 89 दि- 10.12.2007

प्रतिलिपि- प्रधान सचिव, मुख्य मंत्री सचिवलाय/वित्त आयुक्त, बिहार, सचिव, कार्मिक एवं प्र०सु० विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

गंगाधर 10.12.2007

॥जी०एल० दास॥
महासचिव ।

॥डब्लू०एन० सिंह॥
अध्यक्ष ।

ज्ञापांक 89 दिनांक 10.12.2007

प्रतिलिपि माननीय मुख्य मंत्री, बिहार, पटना के आप्त सचिव को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

गंगाधर
महासचिव 10.12.20